DATE 22.7.24
PAGE No. 1

Tender Heart High School Sec. 33-B, Chandigarh.

कक्षा - आठवीं शिक्षिका सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-7 हाथ का लिखा मासिकपत्र) 1
भाग 1

पुस्तक - नवतरंग - 8

प्यारे बच्चो, सुप्रभात!

आज हम कक्षा आठवीं की हिंदी की पाठ्य पुस्तक के पाठ-7 'हाथ का लिखा मासिक पत्र' को पढ़ेंगे। यह पाठ पृष्ठ 54 पर दिया गया है। यह कार्य आपको 22 जुलाई, 24 को भेजा जा रहा है। यह आवाज़ सुमन शर्मा की है।

सब बच्चे अपनी पुस्तक और अभ्यास-पुस्तिका खोलकर रख लें और एकाग्रचित्त होकर पाठ पढ़ने के लिए तैयार हो जाएँ। यह पाठ, मास में निकाली जाने वाली मासिक पत्र या पत्रिका के विषय में है।

आज भी कुछ विद्यालयों में हस्तलिखित पत्र-पत्रिकाएँ निकाली जाती हैं। पत्र-पत्रिकाओं द्वारा हम विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्तकर सकते हैं। जैसे - शिक्षा, मनोरंजन, खेल-कूद, देश-विदेश, साहित्य आदि।

छपे हुए मासिक पत्र तो आम देखने को मिलते हैं परन्तु हाथ से लिखी मासिक-पत्रिका कम ही देखने को मिलती है। ग्रामीण स्कूल के छात्र या ग्रामीण पुस्तकालय के सदस्य ही हस्त-लिखित पत्रिका या पत्र निकालते हैं। विशेषत: बालकों के लिए यह काम बड़ा मनोरंजक और शिक्षा प्रद खेल है। ऐसे पत्र कला से पूर्ण होते हैं। यह ऐसा विचित्र खेल है कि खेलते समय तो

Scanned with CamScanner

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-1 'हाथ का लिखा मासिक पत्र)

इसमें लगन लगी ही रहेगी, खेल खत्म होने पर तुरंत उसका नतीजा सामने देखकर चौगुनी प्रसन्नता होगी। इतना ही नहीं, आगे के जीवन में जब-जब कलम, कूची और कैंची के इस खिलवाड़ पर नज़र पड़ेगी, अधिक से अधिक प्रसन्नता होगी।

हमें हस्तलिखित पत्र को बनाने और निकालने के लिए एक टोली कुछ उत्साही बच्चों को लेकर बना लेनी चाहिए। उन बालकों में से सुंदर अक्षर लिखने वाले, चित्र बनाने वाले, कहानी एवं कविता लिखने वाले, लेख लिखने के शौकीन, चुटकुले लिखने वाले एवं जिल्द मढ़ सकने वालों का चुनाव कर लेना चाहिए।

सबसे पहले पत्र के लिए एक मधुर और पवित्र नाम चुनकर, एक ही आकार का बढ़िया कागज़, पक्की स्याही, कील की कलम, लाल-हरी पेंसिल, चाकू, रबर, कैंची, गोंद या लेई, रंग की प्याली, कुची, रंगीन कागज़, आदि सब सामान जुटा लें।

पत्र के लिए फूल-पत्ती या तस्वीर, कविता, बड़े-बड़े लोगों के भाषण, महापुरुषों के उपदेश-भरी वाणी को अखबार या इधर-उधर से काट-छाँटकर इकट्ठा करते जाएँ।

अब बच्चो! मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूँगी। इन प्रश्नों का उत्तर देने के लिए आप तीन मिनट का अंतराल लेंगे फिर इनके उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 1. हाथ के लिखे मासिक पत्र के क्या लाभ हैं?
प्रश्न 2. हाथ के लिखे मासिक पत्र को बनाने के लिए सबसे पहले क्या करना होगा?

बच्चो! अब आपका अंतराल का समय समाप्त

Scanned with CamScanner

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-7 हाथ का लिखा मासिक पत्र)

हुआ। आशा है आपने इन प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। इन प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं-

उत्तर-1. हाथ से निकले मासिक पत्र देहाती स्कूलों के बालक या देहाती क्षेत्र के पुस्तकालय के सदस्य प्रायः मिल-जुलकर ऐसा पत्र निकालते हैं। यह बालकों के लिए शिक्षाप्रद और बड़ा मनोरंजक खेल है। यह विचित्र खेल है। खेल खेलते समय इसमें लगन लगी रहती है तथा नतीजा सामने देखकर खुशी बहुत होती है। इससे बच्चों की कला बाहर निकलकर आती है तथा वे समाज की बातों को इनके माध्यम से उजागर करते हैं।

उत्तर-2. हाथ के लिखे मासिक पत्र को बनाने के लिए सबसे पहले हमें कुछ उत्साही बच्चों की टोली बना लेनी चाहिए। उन बालकों में से सुंदर अक्षर लिखने वाले, लेख लिखने वाले, चित्र बनाने वाले, कहानी एवं कविता लिखने वाले, लेख लिखने वाले, चुटकुलों के शौकीन एवं जिल्द मढ़ने वालों का चुनाव कर लेना चाहिए।

इतना करने के बाद पत्र के लिए पवित्र नाम चुनकर एक बढ़िया कागज़ जो कि एक ही आकार का हो, पक्की स्याही, कील की कलम, लाल-हरी पेंसिल, चाकू, रबर, कैंची, गोंद या लेई, रंग की प्याली, कूची, रंगीन कागज़ आदि सब सामान जुटा लेना होगा।

बच्चो, अब हम पाठ को आगे बढ़ाते हुए पढ़ेंगे। किसी रविवार को या छुट्टी के दिन सभी साथी एकान्त में बैठकर मंडली के सब लोग अपना-अपना चुना हुआ सामान आगे रख लें।

Scanned with CamScanner

DATE 22.7.24
PAGE No 4

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-7 'हाथ का लिखा मासिक पत्र)

जैसे जो सबको अच्छा लगे, उसकी एक सूची तैयार करते जाएँ। आठ-दस चीजें चुनने के बाद उसे सजाना शुरू करो। जहाँ जैसा वर्णन हो, वहाँ वैसा चित्र लगाएँ। लेख के चारों ओर कलम-कूचीसे लहरदार किनारी तैयार करें। जिल्द पर सजावट के लिए कोई मनमोहक चित्र चिपकाए जा सकते हैं। शुरू के पन्ने पर आपस की सलाह लेकर किसी संपादक का नाम, साल, महीना और पत्र का नाम फूलदार अक्षरों में लिखा जाए।

टोली के सभी साथी पत्रिका के लिए अखबार में से मनोरंजक समाचार, तस्वीरें, विज्ञापन, फूल-पत्ती आदि मसाला जुटा सकते हैं।

हस्तलिखित पत्र में सुंदर लिखावट और सजावट पर विशेष ध्यान देना चाहिए। सच्ची लगन तथा अभ्यास से हस्तलिखित पत्र में निपुणता प्राप्त की जा सकती है।

इस प्रकार का पत्र हर महीने, तीन महीने या साल में दो बार निकाल सकते हैं। पत्र का प्रत्येक अंक किसी सज्जन के पास या पुस्तकालय में सुरक्षित रखना चाहिए।

बच्चो, यह पाठ अब हम यहाँ समाप्त करते हैं। इसका शेष भाग अगले सप्ताह पढ़ेंगे। अब मैं आपको गृहकार्य दे रही हूँ।

गृहकार्य :- सब बच्चे इस पाठ को दो या तीन बार उच्च स्वर में पढ़ेंगे व समझेंगे। पृष्ठ-57 पर लिखे शब्दार्थ को अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

शेष भाग अगले सप्ताह ---- समाप्त (पृष्ठ-4)

Scanned with CamScanner